बर्षः- 06
अंकः- 59
मुरादाबाद
(Friday)
19 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्राकृतिक खेती ही विकसित भारत की नींव, CM योगी ने रसायनों के दुष्प्रभावों से किया आगाह, 34 जिले होंगे मॉडल

बोले- आधुनिक तकनीक से जुड़ेगा अन्नदाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राकृतिक खेती को स्वस्थ समाज और समृद्ध किसान की कुंजी बताया है। उन्होंने 34 जिलों में विशेष अभियान चलाकर गो-आधारित खेती और कृषि उत्पादों के विपणन को नई दिशा देने की घोषणा की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब दुनिया वैश्विक ऊर्जा संकट और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही थी, तब भारत मजबूती के साथ खड़ा रहा। अनेक देशों में महंगाई बेकाबू हुई, लेकिन भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हालात को नियंत्रित रखा और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का अन्नदाता किसान समृद्ध और स्वस्थ होगा। उन्होंने किसानों से रासायनिक खेती के स्थान पर प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया।व्यापक सुरक्षा और सहायता प्रदान की- कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को लागत का न्यूनतम डेढ़ गुना मूल्य देने की व्यवस्था लागू की। इसके साथ ही सॉइल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को व्यापक सुरक्षा और सहायता प्रदान की गई। खाद्यान्न में रसायनों की मात्रा भी बढ़ी है- मुख्यमंत्री ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से खेती की लागत बढ़ने के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। किडनी, लीवर, ब्लड प्रेशर और मधुमेह जैसी बीमारियों के बढ़ते मामलों का एक कारण खाद्यान्न में रसायनों की बढ़ती मात्रा भी है।34 जिलों में प्राकृतिक खेती को दिया जा रहा बढ़ावा- उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की लागत घटाने के साथ समाज को स्वस्थ बनाने का माध्यम बन सकती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 34 जिलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। गंगा तट के 27 जिलों और बुंदेलखंड क्षेत्र के सात जिलों को विशेष रूप से प्राकृतिक खेती के लिए चिन्हित किया गया है। कृषि परंपरा को मजबूत करने का भी प्रयास- सरकार उत्पादों के प्रमाणन, पैकेजिंग और विपणन की व्यवस्था विकसित कर रही है, ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल आर्थिक लाभ का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और गो-आधारित कृषि परंपरा को मजबूत करने का भी प्रयास है। 7700 से अधिक गोशालाओं में लगभग 14 लाख गोवंश संरक्षित- उन्होंने बताया कि प्रदेश में 7700 से अधिक गोशालाओं में लगभग 14 लाख गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत किसानों को गोवंश पालन के लिए आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता के चलते पराली, गोबर और कृषि अपशिष्ट को भी ऊर्जा का स्रोत बनाया जा रहा है। स्वस्थ भारत और समृद्ध किसान सबसे महत्वपूर्ण- बायोगैस, सीएनजी और एथेनॉल उत्पादन के माध्यम से किसान ऊर्जा आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ भारत और समृद्ध किसान सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं। कानपुर तभी विकसित होगा, जब यहां का किसान, व्यापारी, कारीगर और युवा समृद्ध होगा। प्राकृतिक खेती इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।कानपुर में आज मुख्यमंत्री का फार्म-टू-फाइल मिशन है। इसके लिए सीएम योगी सीएसए परिसर में पहुंच गए हैं। यहां उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026 में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने किसानों को सम्मानित किया और प्राकृतिक खेती को नवीनतम तकनीक से जोड़ने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लंबे और सफल कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके विजन से आज भारत न केवल विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, बल्कि दुनिया को दिशा भी दिखा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल एक पारंपरिक पद्धति नहीं, बल्कि यह भारत की नई अर्थव्यवस्था की धुरी बन रही है। उन्होंने कहा, 卐प्रधानमंत्री मोदी जी का मानना है कि यदि हम अपनी खेती को रसायनों से मुक्त कर प्राकृतिक बनाएंगे, तो यह न केवल हमारे किसानों की लागत को कम करेगा, बल्कि भारतीय कृषि उत्पादों को विश्व बाजार में एक %प्रीमियम% पहचान भी दिलाएगा। अब भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ बाजार और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाकर ही प्रदेश के हर अन्नदाता को समृद्ध बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कानपुर का यह विकास और कृषि का मॉडल आने वाले समय में प्रदेश की नई पहचान बनेगा।कार्यशाला के दौरान मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। सीएम ने अपने संबोधन में जोर दिया कि तकनीक और नवाचार का समन्वय ही किसानों की समृद्धि का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि रासायनिक खेती के विकल्पों के रूप में प्राकृतिक खेती न केवल लागत कम करती है, बल्कि यह मिट्टी के स्वास्थ्य और मानव स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है।प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026, सीएम योगी बोले- आधुनिक तकनीक से जुड़ेगा अन्नदाता- चंद्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन सभागार में बृहस्पतिवार को प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने और उसे आधुनिक तकनीक से जोड़ने का संकल्प दिलाया।उन्नाव जिले के भवानखेड़ा गांव में आयोजित जनसभा में सीएम योगी जमकर गरजे। उन्होंने सपा-कांग्रेस पर माफिया राज चलाने का आरोप लगाया और विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्लस्टर के जरिए युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा और अब विकास कानपुर तक पहुंचेगा।किसान लाभार्थियों को मिलेगा सम्मान- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए गुरुवार को सीएसए में प्रदेश के मुख्यमंत्री पहुचने वाले है। इसी को लेकर कानपुर के आसपास के सैकड़ो किसान सुबह से ही सीएसए परिसर में रजिस्ट्रेशन करवा रहे है। प्राकृतिक खेती पर आयोजित कार्यशाला में किसानों को जैविक खेती के संबंध में जागरूक किया जाएगा। साथ ही, किसान लाभार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।सीएसए परिसर के भीतर अस्थायी सीसीटीवी कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां से पुलिस अधिकारी और कर्मी पूरे कार्यक्रम व गतिविधियों पर लगातार नजर रखेंगे। सुरक्षा के मद्देनजर विश्वविद्यालय परिसर के आसपास विशेष निगरानी रखी जा रही है। कार्यक्रम स्थल के बाहर ड्रोन उड़ाने पर रोक सुनिश्चित करने के लिए भी पुलिस की विशेष टीमें तैनात की गई हैं।सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी स्वयं पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल, एडिशनल पुलिस कमिशनर कानून-व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा और एडिशनल पुलिस कमिशनर मुख्यालय संकल्प शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर एंटी सबोटॉज टीम, स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू), डॉग स्क्वाड और दो कंपनियां पीएसी भी तैनात रहेंगी।सीएम योगी आदित्यनाथ के चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। मुख्यमंत्री त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रहेंगे और उनकी सुरक्षा के लिए 450 पुलिसकर्मी तैनात किए गए है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस केंद्र पर हमलावार: जयराम रमेश बोले- NDA बना 'नेशनल डिफेक्टर अलायंस', लगाए पार्टियों को तोड़ने का आरोप

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार पर विपक्षी दलों को तोड़ने और प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक पर बहुमत न मिलने के कारण सरकार बौखला गई है। महाराष्ट्र और बंगाल में सांसदों के दल-बदल की खबरों के बीच विपक्ष एकजुट है।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री विपक्षी दलों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। रमेश ने एनडीए (NDA) को नेशनल डिफेक्टर अलायंस यानी राष्ट्रीय दल-बदलु गठबंध का नाम दिया है। उनका कहना है कि सरकार यह सब विपक्षी दलों का मनोबल तोड़ने के लिए कर रही है।

जयराम रमेश ने 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में हुई घटना का हवाला दिया। उस दिन सरकार ने संविधान संशोधन विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए पेश किया था। संविधान संशोधन विधेयक पर हुई वोटिंग में सरकार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल सका। सरकार के पक्ष में 298 वोट पड़े, जबकि विपक्ष ने इसके खिलाफ 230 वोट डाले। रमेश के अनुसार, इस हार ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को बहुत परेशान कर दिया है। उन्होंने इसे गृह मंत्री का अपमान बताया क्योंकि वे अपनी पूरी ताकत लगाने के बाद भी जरूरी आंकड़ा नहीं जुटा पाए।

सपा में टूट के दावे पर अखिलेश का पलटवार, जिनसे एडवांस वसूला वो अब अफवाही मंत्री को ढूंढ रहे

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सपा में संभावित टूट को लेकर जारी बयानबाज़ी के बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए ओपी राजभर पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में टिकट, ट्रांसफर और ठेका दिलाने के नाम पर कथित वसूली और 'काली कमाई' को लेकर गंभीर तंज कसे हैं।उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में संभावित टूट को लेकर सियासी माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। सुभासपा अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओपी राजभर लगातार सपा में टूट का दावा कर रहे हैं। इसी बीच सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए उन पर तीखा पलटवार किया है।अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए तंज कसा। लिखा कि टिकट के दावेदारों के बाद अब अधिकारी और ठेकेदार मिलकर 'ढुंढाई पंचायत' कर रहे हैं। जिन लोगों से टिकट दिलाने के नाम पर एडवांस राशि लेने की बातें सामने आ रही हैं, वे अब उन लोगों की नजर में हैं।उन्होंने आगे लिखा कि पहले तो 'अफ़वाह मंत्री' को केवल वे ही भावी प्रत्याशी ढूंढ रहे थे, जिनसे टिकट के नाम पर एडवांस वसूले हैं, लेकिन अब यह चर्चा है कि '30 सीट' मिलने की बात महज अफवाह साबित हो रही है। तंज कसा कि न तो उन्हें एक भी सीट मिलती दिख रही है और यदि कहीं कोई सीट मिल भी जाए तो जीतेंगे नहीं।सपा मुखिया ने अपने पोस्ट में आगे दावा किया कि अब स्थिति ऐसी है कि एई, जेई और एएमए स्तर के अधिकारी तथा विभागीय ठेकेदार भी मिलकर उनको तलाश रहे हैं। आरोप है कि इनसे ट्रांसफर, पोस्टिंग और कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के नाम पर एडवांस लिया गया था। आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज- अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि जिस काली कमाई के सहारे बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, वही अब उनके खिलाफ 'पंचायत' बैठा रही है। उनके इस बयान के बाद यूपी की सियासत में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

कैबिनेट बैठक में आए 12 प्रस्ताव, पूर्ण साक्षर राज्य घोषित, उपनल कर्मियों से जुड़ा बड़ा फैसला

धामी मंत्रिमंडल की बैठक में गुरुवार को कुल 12 प्रस्ताव आए। जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा संशोधन नियमावली 2026 को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 12 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी और पद्मश्री निशानेबाज जसपाल राणा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखकर की गई।कैबिनेट ने उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा संशोधन नियमावली-2026 को मंजूरी दी, जिसके तहत संस्कृत विद्यालयों की मान्यता, पाठ्यक्रम निर्धारण और परीक्षा संचालन संबंधी व्यवस्थाओं में संशोधन किए जाएंगे। वहीं, उपनल कर्मचारियों के लिए समान कार्य-समान वेतन की कटऑफ तिथि 12 नवंबर 2018 से बढ़ाकर 15 अगस्त 2024 कर दी गई है।कैबिनेट के प्रमुख फैसले- -संस्कृत शिक्षा– उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा संशोधन नियमावली-2026 को मंजूरी, संस्कृत विद्यालयों की मान्यता, पाठ्यक्रम और परीक्षा व्यवस्था में संशोधन होंगे।उपनल कर्मचारी– समान कार्य-समान वेतन के लिए कटऑफ तिथि 12 नवंबर 2018 से बढ़ाकर 15 अगस्त 2024 की गई, जिससे अधिक कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। -लोक निर्माण विभाग– मिडिल ईस्ट में युद्ध के कारण बढ़ी बिटुमेन की कीमतों पर नियंत्रण के लिए व्यवस्था बनाई जाएगी। -माध्यमिक शिक्षा– राज्य को पूर्ण साक्षर घोषित करने का फैसला। सरकार के अनुसार प्रदेश की साक्षरता दर 98 प्रतिशत से अधिक है। -आबकारी विभाग– होलोग्राम के दोहराव की स्थिति में दोहरा कर नहीं लगेगा, केवल एक बार टैक्स लिया जाएगा। -कृषि विभाग– सगंध एवं हर्बल उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सेलाकुई स्थित सगंध केंद्र में मिलावट जांच की सुविधा विकसित होगी। इसके लिए पांच पद स्वीकृत किए गए। -पर्यटन– अंतरराष्ट्रीय हिमालयन कार रैली के आयोजन को मंजूरी। आयोजन की जिम्मेदारी मद्रास की संस्था को दी जाएगी, जिसमें 50 अंतरराष्ट्रीय कारों के शामिल होने की संभावना है। -गृह विभाग– उत्तराखंड कारागार नियमावली में संशोधन को मंजूरी। -गृह विभाग– कारागार अधीनस्थ सेवा नियमावली को मंजूरी। -राज्य आंदोलनकारी– अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की कनिष्ठ सहायक और पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2024 में प्रमाण पत्र देरी से बनने वाले राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को दस्तावेज सत्यापन में एक बार राहत मिलेगी। -चारधाम यात्रा– यात्रा में संचालित घोड़ा-खच्चरों के लिए सरकार 5 प्रतिशत बीमा दर के तहत सहायता राशि उपलब्ध कराएगी। -पशुपालन– एम्ब्रियो ट्रांसफर तकनीक के माध्यम से दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए गौवंश आधारित पायलट परियोजना को मंजूरी दी गई। पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी को किया याद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित हुई। जसपाल राणा के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। बैठक के प्रारंभ में मंत्रिमंडल के सदस्यों एवं अधिकारियों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी ने प्रदेश के विकास, सुशासन एवं जनसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संपादकीय Editorial

Drought Expected in India

The Indian government may have to provide fertilizer subsidies of ?3.42 lakh crore. This subsidy will be provided to companies to ensure adequate fertilizer supplies. The budget estimated this subsidy at approximately ?1.71 lakh crore. The country's food security is also linked to the fertilizer crisis. If a weak monsoon or El Niño causes reduced yields due to a lack of fertilizer, a food shortage could lead to a food crisis in the country. Agricultural experts are underestimating wheat, rice, and pulses yields, and therefore, they estimate that drought is a serious threat in South Asia, including India. Currently, the government claims that food grain reserves are full, but the fundamental problem is fertilizer and LNG. We have to import both. Approximately 59% of LNG has been imported from Gulf countries, with Qatar alone supplying approximately 43% of it. Missile attacks during the Iran war destroyed Qatar's refinery, LNG infrastructure, and other oil facilities, forcing Qatar to significantly reduce production, resulting in supply disruptions. It's now Kharif season sowing season in India. Paddy, sugarcane, and maize are the main crops. India's fertilizer import bill is approximately ?74 lakh crore. Government representatives are advising farmers to reduce their use of urea and DAP fertilizers. There's a focus on organic and natural farming, but government officials are unaware that the average farm for natural farming takes three years to complete. This farming cannot be done even on small plots of land. A significant portion of the fertilizer farmers use seeps into the ground and mixes with groundwater to reach surrounding fields. This impacts organic farming, making it unmanageable. India consumes approximately 60.1 million tons of fertilizer annually. Of course, 90% of NPK is produced domestically and we are capable of producing 87% of urea, but LNG is needed to run fertilizer plants. War continues in the Gulf and West Asia. President Trump may continue to feign agreements and ceasefires, but the reality is that he simply doesn't want to end the war. A section of the US is printing dollars through war. Bombing continues. Iran has also destroyed US military bases in Kuwait, Bahrain, and Jordan with missile attacks. The war has disrupted both the import and supply of oil, gas, fertilizers, and especially LNG. This, combined with a weak monsoon and the impact of El Niño, is creating the possibility of drought and food shortages in Indian states like Rajasthan, the Kutch region of Gujarat, Maharashtra, Chhattisgarh, Bihar, Bengal, and Karnataka. Low production could impact the supply and availability of rice, pulses, and vegetables. This is also likely to increase food inflation. 266 million people worldwide have been affected by drought and food shortages. Many Asian countries are among those, but thankfully, India is not currently among them. Governments have formed district-level committees to combat drought. Efforts are underway to diversify crops, but if a farmer's produce isn't sufficient, what will he sell in the market? If he can't trade well, how will his income increase? The average farmer still earns 10,000 rupees per month. Even within that, agricultural income is low and labor wages are high. While the BJP-NDA may celebrate the 12 years of Prime Minister Modi's government, when will the average farmer be able to celebrate is no less than a question. The cost of farming is rising, while farmers' incomes are not increasing sufficiently. People in villages are abandoning farming and earning their living as laborers. While there are announcements to make farming profitable, the reality is far from it.

The Story Behind This Friendship: Pakistan's Diplomatic Maneuver Between Superpowers

Pakistan may have recently celebrated 75 years of diplomatic relations with China, and both have always described their relationship with such eloquent terms as "Iron Brothers," but the truth is that the relationship between the two countries has been primarily based on anti-India and transactional tactics. Just days after celebrating 75 years of diplomatic relations with China, Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif attended an event in Islamabad commemorating the 250th anniversary of the United States. Heaping praise on Pakistan-US relations, he called President Trump a "peace ambassador" and thanked him for ensuring a ceasefire between Pakistan and India and for assigning Pakistan the role of mediator between the United States and Iran. Pakistan surpassed China in this regard, as China was denied the role of mediator. This role of ally is expected to be long-lasting as conflict escalates. But the role China is playing behind the scenes cannot be denied. It can be said that this is a "special" moment for Pakistan, balancing between the major powers involved in the Gulf War and many other parties. However, it is considered an ally of China. Meanwhile, after Sheikh Hasina's ouster from power, Bangladesh has virtually "returned" to Pakistan. Pakistan is seen as a "failed state" due to unstable politics and economic crisis, but the US and China have not allowed it to fail completely, as both are competing to gain influence in Pakistan, which is strategically located at the intersection of South, West, and Central Asia. By maneuvering among the world's major powers, Pakistan has also strengthened its position with Russia. It is easy to criticize China-Pakistan relations or ridicule Russia-Pakistan relations, but it is unwise to ignore their constantly changing relationship in today's transactional world. Pakistan's relations with the Gulf countries and Turkey are also important. Pakistan engaged with China immediately after the 1962 India-China conflict, realizing that the enemy's enemy must be turned into a friend. In March 1963, Pakistan formally handed over control of the Shaksgam Valley, an area encompassing approximately 5,180 square kilometers in the Karakoram Range, to China. India considers this area part of disputed Kashmir. This move permanently cemented China-Pakistan relations. Without India as a common threat, Pakistan and China's relationship would have been very different. China also exploited this region to further its long-term goals. After decades of persistently harassing India, it launched the China-Pakistan Economic Corridor (CPEC), which gave it access to the Indian Ocean.

Russia also sought to acquire this, but failed. With its strong presence in Pakistan's Gwadar Port, China has become a key player in the current Gulf conflict, even without being directly involved. China's presence in Gwadar will prevent India from launching a naval attack on Karachi like it did in 1971. Iran's withdrawal from Chabahar Port has weakened India's position. It's rare for a relationship between two unequal parties (one aide and the other a recipient, a communist country and the other a religious one) to not only last for more than six decades but also become of immense strategic importance. Both have always described their relationship in the most eloquent terms, such as "Iron Brothers." Military defeats at the hands of India further strengthened this relationship. During the Zulfikar Bhutto era, the two countries formalized a hitherto informal understanding. They signed a bilateral agreement on nuclear cooperation, which became the basis for Chinese assistance over the next decade. This exchange went both ways. Pakistan's centrifuge program received technology from European networks, just as Abdul Qadeer Khan stole technology from a Dutch lab. Chinese scientists also learned from Pakistan's advancements. When Pakistan conducted nuclear tests in Chagai, Balochistan, in May 1998 (in response to India's tests two weeks earlier), China blocked a UN Security Council statement expressing regret over the tests. In the confrontation that followed the Pahalgam attack last year, Pakistan relied heavily on Chinese hardware, intelligence, and surveillance equipment. Chinese personnel provided crucial intelligence sharing and strategic assistance.

Defense analysts and military officials have stated that the combat environment proved a real stress test for Chinese aviation technology compared to India's. Nevertheless, China-Pakistan relations have become largely transactional. China keeps track of every yuan spent on CPEC projects (many of which are stalled), and many of its personnel have also been killed in militant attacks, from Khyber Pakhtunkhwa in the north to Balochistan in the south. While the two sides complement each other, there is no mutual affection. Pakistanis, whether they are those excluded from CPEC or Baloch youth, are resentful of China's presence. This is essentially a story of two countries repeatedly challenging each other in the face of changing circumstances. China will never allow Pakistan to collapse, as it retains geopolitical importance against India. While it holds significant geopolitical significance, its economic situation remains dire. A decade after CPEC, Pakistan remains poor.

But the core philosophy has proven so robust that it has survived a succession of governments, ideologies, and crises that the losses from its failure now far outweigh the benefits of its departure.

When the Challenges Seem Unending: Weak Monsoon, Expensive Oil, and Growing Economic Concerns

Rising global crude oil prices have limited the government's scope for policy intervention, forcing people from all walks of life to step up to combat inflation. The double whammy of a weak monsoon and rising crude oil prices has exacerbated the threat of a stagflation-induced slowdown in the economy. The US has renewed its attacks on Iran, leading to a rise in global crude oil prices. Recently, the World Meteorological Organization (WMO) stated that India will be severely affected by El Niño in 2026. This weak monsoon and drought conditions in India will pose challenges to agriculture, water supply, and inflation. According to an Asian Development Bank report, inflation in India could reach 6.9

percent in 2026-27. The rising prices of petrol, diesel, and gas are having the greatest impact on the common man's pocket. The prices of products made from raw materials imported from Gulf countries have risen the most. Common household items, including clothing and household appliances, are also becoming more expensive. Currently, many fast-moving consumer goods (FMCG) companies producing daily necessities are considering increasing the prices of their products or reducing the weight of packages. While concerns arising from a weak monsoon and drought must be addressed, concerns about inflation arising from high crude oil prices must also be addressed. To protect farmers from this major weather crisis, the government has strategically launched a nationwide "Khet Bachao" campaign starting June 1st. Under this initiative, farmers are being provided with specific advice specific to their region and crop, enabling them to understand weather risks and choose the right crop. Farmers are also being provided practical guidance on agricultural production based on weather, soil, and market demands. The government has established a comprehensive and collaborative framework that integrates panchayats, state governments, Krishi Vigyan Kendras, Indian Council of Agricultural Research institutes, and local agriculture departments. More than 1,600 special teams have been formed to strengthen the reach of new agricultural guidance. These teams will also help farmers access benefits of schemes like the Kisan Credit Card and PM-KISAN. However, due to rising global crude oil prices, the scope for government policy intervention is limited. Therefore, the government, along with industry and businesses, and people from all walks of life must step forward to combat inflation. People should heed Prime Minister Narendra Modi's appeal, which emphasizes the need for frugality. The government recently decided to increase the blending of ethanol in petrol from 20 percent to 85 percent, which will reduce the price of petrol by up to 20 rupees per liter. The government should rapidly promote electric vehicles.

The use of ethanol and electric vehicles will not only provide affordable and pollution-free travel for the common man, but will also save money and increase farmers' incomes by reducing crude oil imports. The government has abolished excise duty on petrol mixed with ethanol.

Let us hope that the government will move forward strategically in the future with long-term measures like making renewable energy an alternative to petrol and diesel.

विधवा से शादी की जिद बनी मौत की वजह, प्रेमी मनोज की हत्या का खुलासा; महिला समेत तीन गिरफ्तार

मुरादाबाद । मुरादाबाद के छजलैट थाना क्षेत्र के दयानाथपुर निवासी मनोज (35) की हत्या के मामले का अजीमनगर थाना पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, विधवा महिला से शादी की जिद ही उसकी मौत की वजह विधवा सरवती, उसके बेटे सागर को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, धर्म सिंह का सिर कुचला शव खंडिया गांव में मिला था। दो साल पुलिस के मुताबिक, मनोज और सरवती के बीच पिछले करीब दो अक्सर सरवती के घर आता-जाता रिश्ते की चर्चा होने लगी थी। पहले से भी निजी संबंध थे, लेकिन मनोज हरिचंद्र से बातचीत बंद कर दी थी। रखने लगा। वहीं, मनोज सरवती से हुआ था, लेकिन मनोज की बहनों था। शराब पीकर पहुंचा था घर- कि 14 जून की शाम मनोज शराब गया था। सरवती ने अपने देवर दौरान मनोज और हरिचंद्र के बीच सरवती का बेटा सागर भी घर पहुंच बेटे से कहा कि मनोज ने उसे बहुत

बनी। इस मामले में पुलिस ने और देवर हरिचंद्र उर्फ हरिया बीती 16 जून को मनोज पुत्र अजीमनगर थाना क्षेत्र के से चल रहा था प्रेम प्रसंग- खंडिया गांव निवासी विधवा वर्षों से प्रेम संबंध थे। मनोज था, जिससे गांव में दोनों के सरवती के अपने देवर हरिचंद्र के करीब आने के बाद उसने इससे हरिचंद्र मनोज से रंजिश शादी करने की जिद पर अड़ा ने इस रिश्ते का विरोध किया पुलिस पूछताछ में सामने आया के नशे में सरवती के घर पहुंच हरिचंद्र को बुला लिया। इसी कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद गया। आरोप है कि सरवती ने परेशान कर रखा है और आज उसका काम तमाम कर दो। ईंट से कुचलकर की हत्या- इसके बाद सागर और हरिचंद्र मनोज को बहाने से गांव के बाहर बीएल स्कूल के पास यूकेलिप्टस के खेत में ले गए। पीछे से सरवती भी वहां पहुंच गई। तीनों ने मिलकर पहले मनोज की पिटाई की और फिर हरिचंद्र ने पास में पड़े ईंट के टुकड़े से उसके सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने के बाद मनोज वहीं गिर पड़ा और कुछ देर तड़पने के बाद उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी ईंट का टुकड़ा पास के मक्का के खेत में फेंककर घर लौट गए।तीनों आरोपी गिरफ्तार- मनोज की बहन की तहरीर पर पुलिस ने सरवती, उसके बेटे सागर और देवर हरिचंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। जांच और पूछताछ के बाद अजीमनगर थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों को हाजी मुस्ताक की धान मिल के पीछे नगलिया आकिल जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। हरिचंद्र की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल ईंट का टुकड़ा भी बरामद कर लिया गया है। अजीमनगर थाना प्रभारी कर्म सिंह पाल के नेतृत्व में सर्विलांस टीम और पुलिसकर्मियों ने इस हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रामपुर में बोरे में बंद शव मिलने का खुलासा, उत्तराखंड के पहाड़ी युवक की हत्या कर मीट कारोबारियों ने नाले में फेंका था शव

पटवाई थाना क्षेत्र के रेहटगंज गांव के पास नाले में बोरे में बंद मिला शव उत्तराखंड निवासी पहाड़ी का निकला। मामले का खुलासा करते हुए पटवाई पुलिस ने दो मीट कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ में हत्या की तक मीट पहुंचाने को लेकर हुए विवाद की हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्या कार भी बरामद कर ली है।पंपलेट से रेहटगंज गांव में नवनिर्मित पुलिया के नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बोरे में शरीर पर चोट के निशान मिलने के मृतक की पहचान के लिए पुलिस ने वाले इलाकों में पंपलेट चस्पा कराए। संपर्क कर बताया कि मृतक को पहाड़ी वाल्मीकि की मीट की दुकान पर काम उत्तराखंड के खटीमा क्षेत्र के एक गांव लेकर हुआ था विवाद- पुलिस के और वाजिद का पहाड़ी से ग्राहक तक था। इसी रंजिश में दोनों ने बदला लेने आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पहाड़ी के डंडे से उसकी पिटाई कर दी, जिससे

बात कबूल करते हुए बताया कि ग्राहक का बदला लेने के लिए उन्होंने युवक में प्रयुक्त डंडा और घटना में इस्तेमाल हुई मृतक की पहचान- कुछ दिन पहले पास राधा कृष्णपाल गौशाला के सामने में बंद मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट बाद हत्या की आशंका जताई गई। रेलवे स्टेशन, रोडवेज और भीड़भाड़ इसके बाद दो लोगों ने पुलिस से के नाम से जानते थे और वह शेरू करता था। जांच में पता चला कि वह का रहने वाला था।मीट पहुंचाने को अनुसार, 12 जून को शेरू वाल्मीकि मीट पहुंचाने को लेकर विवाद हुआ की योजना बनाई। पूछताछ में को शराब पिलाई और फिर लकड़ी उसकी मौत हो गई। बोरे में भरकर नाले में फेंका शव- हत्या के बाद दोनों आरोपी शव को एक बोरे में भरकर अपनी रेनॉल्ट क्विड कार की डिग्गी में रखकर रामपुर-पटवाई मार्ग पर रेहटगंज गांव के पास पहुंचे और गंदे नाले में फेंक दिया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शेरू वाल्मीकि निवासी वाल्मीकि बस्ती, थाना सिविल लाइंस और वाजिद निवासी अलीनगर जनूबी को शेर फार्म के पास से गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल डंडा बरामद किया गया और कार को सीज कर दिया गया।पूछताछ में कबूला जुर्म- पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उन्होंने बताया कि पहाड़ी के साथ हुए विवाद के बाद उन्होंने उसकी हत्या की साजिश रची थी। पटवाई प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले का खुलासा किया। गिरफ्तार करने वाली टीम में पटवाई प्रभारी निरीक्षक धनन्जय सिंह, उप निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, अनुज कुमार व अजीत सिंह, हेड कांस्टेबल राम सिंह, अनिल कुमार व मनोज कुमार, कांटेस्बल सुनील कुमार, सुरेन्द्र सिंह व ललित कुमार शामिल रहे। आरोपियों के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने समेत अन्य धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

युवती ने पकड़ी प्रेमी को पाने की जिद: 50 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी, बोली- पांच साल से है प्यार; खोले ऐसे-ऐसे राज

बुधवार को एक युवती अपने प्रेमी से शादी की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई। पुलिस

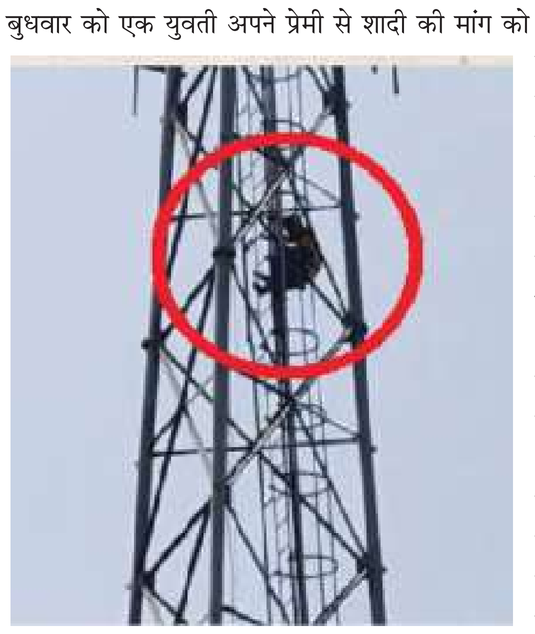

ने उसे सुरक्षित नीचे उतारा। दोनों पक्षों में समझौते के प्रयास जारी हैं।प्रेम प्रसंग के मामले में एक युवती बुधवार को अपने प्रेमी से शादी की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई। करीब दो घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद पुलिस और प्रशासन ने उसे सकुशल नीचे उतार लिया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।युवती करीब 50 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ी थी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने काफी देर तक समझाकर युवती को नीचे उतारा। युवती का आरोप है कि क्षेत्र के एक युवक से उसके पांच वर्षों से प्रेम संबंध हैं।उसने बताया कि युवक ने शादी का झांसा देकर संबंध बनाए। तीन दिन पहले गांव के मंदिर में उनकी जयमाला की रस्म भी हुई थी। युवक ने सोमवार को उसे सामाजिक रीति-रिवाजों के साथ विदा कराकर ले जाने का भरोसा दिया था। युवती का कहना है कि तय दिन युवक उसके घर नहीं पहुंचा। संपर्क करने पर युवक ने शादी से इन्कार कर दिया और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। पुलिस और प्रशासन युवती को सुरक्षित नीचे उतारकर कोतवाली ले आए। देर शाम तक दोनों पक्षों के बीच समझौते के प्रयास जारी रहे, लेकिन कोई अंतिम समाधान नहीं निकला। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि युवती और उसके परिजनों से वार्ता चल रही है।

ग्राम प्रधान के भाई के घर चोरी छत के रास्ते घुसे चोरों ने उड़ाई सोने चांदी के जेवर और नगदी

क्यूँ न लिखूँ सच/शेर सिंह/ भुता। थाना क्षेत्र के ग्राम अठाना में पुलिस गस्त से बेखौफ चोरों ने ग्राम प्रधान के भतीजे मदनलाल के घर को निशाना बनाते हुए छत के रास्ते आकर कमरे की विंडो तोड़कर अलमारी में रखे डेढ़ लाख रूपए नकद व सोने चांदी के लाखों रुपए के आभूषण चोर चुरा ले जाने में सफल रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस चोरों की तलाश में काबिंग करती रही। लेकिन कोई हाथ नहीं आया। ग्राम प्रधान के भतीजे मदनलाल ने बताया कि बुधवार रात हम सब परिवार के लोग बाहर सो रहे थे। कि रात्रि में पड़ोसियो की छत से चढ़कर घर के कमरे की विंडो का लोहे का जाल तोड़कर कमरे में घुस गये, अलमारी का ताला तोड़कर डेढ़ लाख रुपए नगद, व तीन सोने की चैन, चार ओम, एक जोड़ी कुंडल, दो नाक के फूल, दो जोड़ी झुमकी, एक मंगलसूत्र, दो अंगूठी यह सभी सोने के व

पांच जोड़ी पायल, दस जोड़ी खड्डुआ, 10 कंधनी चांदी आदि सोने चांदी के लाखों रुपए के आभूषण चोर चुरा ले गये। जब आहट होने पर परिवारजन जागे तो देखा कि कमरे की विंडो टूटी पड़ी है ।

अलमारी से सामान सब बिखरा पड़ा है। देखकर चकित रह गए, और शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण भी आ गये। सूचना पर सूचना पर पहुंची पुलिस ने भी चोरों की तलाश में काबिंग की। लेकिन कोई चोर हाथ नहीं आया। इस चोरी की बड़ी घटना से गांव में हड़कंप व दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है गांव के वाहर तिराहे रोड पर रात्रि में कुआडांडा चौकी पुलिस पुलिस गस्त भी करती है। रात्रि गश्त में लापरवाही के चलते चोरों के हौसले बुलंद हैं। पीड़ित गृह स्वामी ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच व चोरों की तलाश कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

दो पैनकार्ड मामले में अब्दुला आजम पहुंचे हाईकोर्ट, सरकार से जवाब तलब, 15 जुलाई को अगली सुनवाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला आजम के पैनकार्ड मामले में प्रदेश विधायक सक्सेना, इंस्पेक्टर सिंह और काजिम नावेद मियां सप्ताह में है। सात

सरकार, आकाश तत्कालीन ऋषि पाल नवाब अली उर्फ से तीन जवाब मांगा साल की सजा के खिलाफ अब्दुल्ला आजम की पुनरीक्षण याचिका पर 15 जुलाई को आजम खां की याचिका के साथ सुनवाई होगी।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजम खां के बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के पैनकार्ड से जुड़े मामले में सरकार व रामपुर से विधायक आकाश सक्सेना, तत्कालीन इंस्पेक्टर ऋषि पाल सिंह और नवाब काजिम अली खान उर्फ नावेद मियां से तीन हफ्ते में जवाब तलब किया है।यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल की अवकाशकालीन पीठ ने दिया है। अब्दुला आजम ने ट्रायल कोर्ट की ओर से मिली सजा के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है। याचिका में उन्होंने दोषसिद्धि पर रोक लगाने, सजा को निलंबित करने व जमानत पर रिहा करने की मांग की है।मामला नामांकन से जुड़े दस्तावेज में कथित रूप से एक से अधिक पैनकार्ड के इस्तेमाल और विसंगतियों के आरोपों से जुड़ा है। मामले में रामपुर के ट्रायल कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा सुनाई थी। इसी मामले में सपा नेता आजम खां को भी सजा सुनाई गई है।इसके खिलाफ उन्होंने भी हाईकोर्ट का रुख किया है। आजम खां की पुनरीक्षण याचिका पर सरकार से जवाब तलब किया गया है। 15 जुलाई को दोनों याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई होगी।

अब एक ही पटरी पर दौड़ेंगी एक से ज्यादा ट्रेनें! भारतीय रेलवे का ये नया सिस्टम बदल देगा सफर का अंदाज

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने पिलखुवा-हापुड़-बाबूगढ़-कुचेसर रोड रेलखंड पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली शुरू की है। इससे ट्रेनों का संचालन तेज, सुरक्षित होगा और एक ही ट्रैक पर अधिक ट्रेनें चल सकेंगी, जिससे यात्रियों को समय

पर ट्रेनें मि?लेंगी।उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने रेल संचालन को तेज, सुरक्षित और अधिक दक्ष बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मंडल के पिलखुवा-हापुड़-बाबूगढ़-कुचेसर रोड रेलखंड पर इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग (ईआई) और आप्टिकल कम्युनिकेशन (ओसी) आधारित आटोमैटिक ब्लाक सिग्नलिंग (एबीएस) प्रणाली का सफल शुभारंभ कर दिया गया है। मंगलवार से लागू हुई यह व्यवस्था 24.73 किलोमीटर लंबे रेलखंड पर ट्रेनों के संचालन का तरीका बदल देगी। इससे व्यस्त रेलखंड पर एक ही ट्रैक पर सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए अधिक ट्रेनों का संचालन संभव होगा, जिससे यात्रियों को समय पर ट्रेनें मिलने की उम्मीद बढ़ेगी।नई व्यवस्था के तहत पिलखुवा-हापुड़ (11.3 किमी), हापुड़-बाबूगढ़ (7.7 किमी) और बाबूगढ़-कुचेसर रोड (5.73 किमी) सेक्शन को आटोमैटिक ब्लाक सिग्नलिंग से जोड़ा गया है। परियोजना में ड्यूल डिटेक्शन आधारित आधुनिक एमएसडीएसी तकनीक का उपयोग किया गया है, जो ट्रैक पर ट्रेनों की स्थिति की दोहरी निगरानी करती है। इससे किसी भी तकनीकी गड़बड़ी या मानवीय भूल की संभावना काफी कम हो जाएगी। फाटक और सिग्नल अब करेंगे तालमेल से काम- इस परियोजना के तहत पांच समपार फाटकों को इंटरलाक किया गया है। इनमें पिलखुवा-हापुड़ सेक्शन के एलसी-80, 79 और 76 तथा हापुड़-बाबूगढ़ सेक्शन के एलसी-69 और 68 शामिल हैं। अब फाटक और सिग्नल एक-दूसरे से समन्वय बनाकर काम करेंगे, जिससे सुरक्षा का स्तर पहले से कहीं अधिक मजबूत होगा।रेलवे ने फाटकों पर अप्रोच लाकिंग, अप्रोच वार्निंग, रोड सिग्नल और डेल्ट्रान गेट आपरेशन पैनल जैसी आधुनिक सुविधाएं भी स्थापित की हैं। इसके अलावा कुल 14 लेवल क्रॉसिंग प्रावधान विकसित किए गए हैं, जिससे सड़क और रेल यातायात के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा सके।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

एक हफ्ते में साफ हो जाएं नाले, वरना नपेंगे जेई व सफाई निरीक्षक

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मानसून की आहट के बीच शहर को जलभराव की आफत से बचाने के लिए नगर निगम पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। बुधवार को महापौर डॉ. उमेश गौतम ने नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, स्वास्थ्य एवं निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि एक हफ्ते के भीतर सभी छोटे-बड़े नालों की सफाई का काम हर हाल में पूरा कर लिया जाए। लापरवाही पर जेई और सफाई निरीक्षकों पर गाज गिरेगी। इस बार जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए शहर के 219 नालों को दो अलग-अलग विभागों में बांटा गया है। स्वास्थ्य विभाग जहां 187 नालों की जिम्मेदारी संभाल रहा है, वहीं निर्माण विभाग के पास 32 नालों को साफ करने का जिम्मा है। मॉनीटरिंग के लिए 8 सफाई निरीक्षक और पांच जूनियर इंजीनियर मैदान में उतारे गए हैं। मेयर ने विभिन्न जोन के जूनियर इंजीनियरों और सफाई निरीक्षकों से क्षेत्रवार स्थिति की जानकारी ली और अधूरे कार्यों पर जवाब-तलब किया। इस दौरान सामने आया कि अब तक लगभग 50 फीसदी नालों से गाद निकाली जा चुकी है। शेष कार्य को युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए। मेयर ने कहा कि अगले सप्ताह वे खुद नगर आयुक्त और मुख्य अभियंता के साथ औचक निरीक्षण पर निकलेंगे। इसके साथ ही नालों को दोबारा चोक होने से बचाने के लिए कूड़ा-कचरा, प्लास्टिक या निर्माण मलबा फेंकने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर चालान काटने के निर्देश दिए गए हैं। डलावघरों पर अत्यधिक कचरा जमा न होने देने और नालों के आसपास से सभी तरह के अवरोध व ट्रंक लाइनों को तुरंत हटाने की कार्ययोजना पर भी मुहर लगाई गई है।

पुलिस मुठभेड़ में अर्जुन हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। संजयनगर में युवक अर्जुन की गोली मारकर हत्या करने के मामले में वांछित मुख्य आरोपी को बारादरी पुलिस ने गुरुवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं। वहीं, उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

इस मामले में आरोपी के गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए एएसपी शिवम आशुतोष सिंह ने बताया कि 15 जून की रात संजयनगर निवासी डीजे संचालक अर्जुन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अर्जुन के पिता की तहरीर पर मोहल्ले के ही अर्पित मौर्य उर्फ पहाड़ी, कपिल और कुश के खिलाफ बारादरी थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाना पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीमें लगातार दबिश दे रही थीं।

मुठभेड़ की घटनाक्रम-मुठभेड़ के दौरान कुश हुआ फरार - गुरुवार तड़के पुलिस को सूचना मिली कि हत्या में वांछित अर्पित और कुश हरूनगला रोड की ओर से भागने की फिराक में हैं। पुलिस ने एफसीआई गोदाम के पास घेराबंदी की तो दोनों संदिग्ध भागने लगे। पीछा करने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अर्पित उर्फ पहाड़ी के पैर में गोली लग गई, जबकि उसका साथी कुश मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल अर्पित के कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पूछताछ में उसने अर्जुन की हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि बरामद तमंचे से ही वारदात को अंजाम दिया था।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

वनखंडीनाथ मंदिर परिसर में लगा योग शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। योग सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को वनखंडीनाथ और मढ़ीनाथ मंदिर में योग शिविर का आयोजन किया गया। मढ़ीनाथ मंदिर परिसर में योग

वेलनेस सेंटर कैंट की तरफ से लगे शिविर में लोगों ने योग-प्राणायाम किया। वनखंडीनाथ मंदिर में योग वेलनेस सेंटर प्रेमनगर की तरफ से शिविर लगाया गया। इस मौके पर योग संबंधित नारे की प्रतियोगिता भी हुई। योग प्रशिक्षकों ने लोगों को नियमित योग से होने वाले लाभ के प्रति जागरुक किया। पुलिस लाइन में भी योग शिविर लगाया गया। पुलिस कर्मियों ने योग प्राणायाम किया।

जल जीवन मिशन में नौकरी का झांसा, फर्जी भर्ती के नाम पर ठगी का खेल, जल निगम ने किया बड़ा खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जल जीवन मिशन के तहत पम्प ऑपरेटर भर्ती को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से चल रही खबरों को जल निगम ने पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है। जल निगम (ग्रामीण) की अधिशासी अभियंता आकांक्षा सिंह ने साफ किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल योजनाओं में पम्प ऑपरेटर पद के लिए विभाग की ओर से कोई भी भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है।उन्हों ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्व भर्ती के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और ठगी का प्रयास कर रहे हैं। जल निगम ने लोगों से अपील की है कि ऐसी फर्जी सूचनाओं पर भरोसा न करें और किसी भी तरह के पैसे या निजी जानकारी साझा करने से बचें।

बरेली में अमीन को 5 हजार की रिश्वत लेते , एंटी करप्शन टीम ने किया रंगे हाथ गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली यूनिट की टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए तहसील सदर बरेली में तैनात संग्रह अमीन जोरावर सिंह को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। बताया जा रहा है

कि शिकायतकर्ता सुरेश चंद्र ने अपनी एनपीएस खाते से जमीन खरीदने के लिए धन निकासी के संबंध में आवेदन किया था। फाइल आगे बढ़ाने और रिपोर्ट लगाने के एवज में संग्रह अमीन ने 5 हजार रुपये की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने पूरी योजना के साथ जाल बिछाया और तहसील सदर की कैंटीन से आरोपी को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ दबोच लिया। टीम ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुभाषनगर पुलिस ने दबिश डाल , दो वारंटियों को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस टीम ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी सुभाषनगर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान पुलिस टीम ने उद्देश उर्फ कल्लू पुत्र बाबूराम, निवासी शांति विहार मढ़ीनाथ, थाना सुभाषनगर, बरेली को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ थाना सुभाषनगर में मु0अ0सं0 416/24 धारा 75(1)/127(2) बीएनएस व 9(च)/10 पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामला न्यायालय में विचाराधीन है। वहीं पुलिस टीम ने दूसरे वारंटी मुकेश पुत्र जागन, निवासी ग्राम विरिया नारायणपुर, थाना सुभाषनगर, बरेली को भी गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ मु0अ00 313/11 धारा 323/504 आईपीसी के मामले में वारंट जारी था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थाना सुभाषनगर पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, उपनिरीक्षक जय सिंह निगम, उपनिरीक्षक प्रसून कुमार कटियार सहित कांस्टेबल गौरव अत्री और मोहन कुमार शामिल रहे।

महिला आयोग की दस्तक : जनसुनवाई में 29 शिकायतें, 12 का मौके पर निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । आलमपुर जाफराबाद में गुरुवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती पुष्पा पाण्डेय की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं की समस्याएं सुनी गईं, जिसमें कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुईं और 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

इस दौरान महिला आयोग की सदस्य ने 2 महिलाओं की गोद भराई और 2 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। स्वास्थ्य विभाग और बाल विकास पुष्टाहार विभाग की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया गया, वहीं स्वास्थ्य शिविर में महिलाओं का परीक्षण कर दवाएं वितरित की गईं।

इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आलमपुर जाफराबाद और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बल्लिया का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। ग्राम बल्लिया में आयोजित जन जागरूकता चौपाल में ग्रामीणों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिक्षिका को बाद में पता चला अभी एक साल की बची है नौकरी, पहले ही हो गई सेवानिवृत्त की पार्टी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बेसिक शिक्षा विभाग में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। नियमों की स्पष्ट जानकारी न होने के चलते एक प्रधानाध्यापिका समय से पहले ही सेवानिवृत्त हो गईं। स्कूल में विदाई पार्टी का आयोजन भी हो गया। अब उन्हें पता चला कि उनकी नौकरी एक साल और शेष है।मामला प्राथमिक विद्यालय साहूकारा का है। यहां तैनात प्रधानाध्यापिका शकुंतला भास्कर 30 मार्च को कागजी कार्रवाई पूरी करके सेवानिवृत्त हो गईं। उन्होंने बाकायदा लिखित रूप में विद्यालय का कार्यभार सहायक अध्यापिका कविता को सौंप दिया। साथी स्टाफ ने उन्हें विदाई पार्टी दी। शिक्षिका की ओर से सभी को भोज भी कराया गया।मामला प्राथमिक विद्यालय साहूकारा का है। यहां तैनात प्रधानाध्यापिका शकुंतला भास्कर 30 मार्च को कागजी कार्रवाई पूरी करके सेवानिवृत्त हो गईं। उन्होंने बाकायदा लिखित रूप में विद्यालय का कार्यभार सहायक अध्यापिका कविता को सौंप दिया। साथी स्टाफ ने उन्हें विदाई पार्टी दी। शिक्षिका की ओर से सभी को भोज भी कराया गया। दोबारा ज्वाइनिंग की प्रक्रिया शुरू -इस नियम की जानकारी मिलते ही शिक्षिका ने पुनः ज्वाइनिंग के लिए विभागीय प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग ने साहूकारा स्कूल को भी अगले आदेश तक कंपोजिट विद्यालय जसौली में शिफ्ट कर दिया है। इस वजह से भी दिक्कतें आ रही हैं। इस मामले में शिक्षिका से बात करने की कोशिश की गई, मगर उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। खंड शिक्षा अधिकारी तौसीफ अहमद ने बताया कि सेवानिवृत्ति से जुड़े शिक्षिका के कागज अग्रसारित नहीं किए गए हैं। आज ही इसकी जानकारी मिली है। संबंधित शिक्षिका को आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय बुलाया गया है।

वोकेशनल ट्रेनर संघ ने दिया ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अनिल कुमार/ गंज/ प्रदेश के शासकीय विद्यालय में कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षक(VOCATIONAL TRAINER) के भविष्य पर एक बार फिर संकट मंडराने लगा है द्य उन्होंने बताया कि बिना किसी आधिकारिक लिखित आदेश के केवल एक व्हाट्सएप मैसेज के आधार पर 1 जून 2026 उनकी सेवाएं रोक दी गई है इसके विरोध में नवीन व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षक महासंघ हङ्कश्वङ्ग विदिशा के जिला अध्यक्ष रिंकेश रघुवंशी की अगुवाई में आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के नाम जिला शिक्षा अधिकारी विदिशा को एवं कलेक्टर महोदय विदिशा और श्रम अधिकारी विदिशा को ज्ञापन सोपा गया है. मामले पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए जिला अध्यक्ष रिंकेश रघुवंशी ने कहा 10 वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ सेवाएं दे रहे उच्च शिक्षित प्रशिक्षकों को महज एक व्हाट्सएप मैसेज के जरिए सेवा से पृथक कर दिया गया हर साल दिए जाने वाला यह मौखिक सर्विस ब्रेक हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ है वर्तमान में स्कूलों में नया सत्र शुरू हो चुका है जहां बच्चों के लिए नए एडमिशन और काउंसलिंग होनी है ऐसे में ट्रेनर्स को हटाकर विभाग बच्चों के भविष्य को अंधकार में डाल रहा है हमारी मांग है कि इस व्यवस्था को तुरंत खत्म कर 12 माह की सेवा को नीतिगत निर्देश जारी किए जाएं मुख मांगे और चिंताएं - 1. 12 मासी सेवा की मांग - पिछले 4 वर्षों से हर साल दिए जा रहे हैं मौखिक सर्विस ब्रेक को स्थाई रूप से समाप्त कर व्यवसायिक प्रशिक्षकों की 12 महीने के निरंतर सेवा सुनिश्चित की 2. पिछले सत्रों में हमें 1 CL दी जाती थी वह भी एक व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से बंद कर दी गई है उस ष्टरु को वापस से शुरू किया जाए 3. लगातार 10 वर्षों से हमारे वेतन में कोई वृद्धि नहीं हुई हमें 20000 रुपए सैलरी मिल रही है उसमें इंक्रीमेंट किया जाए अन्य प्रदेशों की तरह 38000 से 42000 तक सैलरी की जाए ज्ञापन सोपने के दौरान महासंघ के जिला अध्यक्ष रिंकेश रघुवंशी, उपाध्यक्ष हर्ष साहू,सचिव नीरज यादव, सा.सचिव जितेंद्र साहू, मीडिया /आईटी सेल प्रभारी सोहिल खान, कोषाध्यक्ष आकाश सोनी महिला मंडल प्रमुख नेहा श्रीवास्तव, महिला मंडल और उप प्रमुख प्रीति शर्मा, सभी ब्लॉकों के ब्लॉक अध्यक्ष बासौदा अनिल अहिरवार विदिशा राहुल रघुवंशी सिरोंज प्रधुम्न चौहान ग्यारसपुर अमित कटियार लटेरी राकेश अहिरवार नटेरन जयंती रघुवंशी कुरवाई राधिका सोनी, रघु रघुवंशी एवं जिला कार्यकारिणी के सभी व्यवसायिक प्रशिक्षक सदस्य उपस्थित रहे।

मॉडर्न नर्सरी वेलफेयर सोसायटी चुनाव

विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों ने दाखिल किए नामांकन पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मॉडर्न नर्सरी वेलफेयर सोसायटी के आगामी संगठन चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत चुनाव अधिकारी अवधेश सिंह की देखरेख में विभिन्न पदों के लिए उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र खरीदे और विधिवत रूप से दाखिल किए। नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह से शांतिपूर्ण, पारदर्शी और लोकतांत्रिक माहौल में संपन्न हुई। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों और उम्मीदवारों में संगठन के प्रति भारी एकजुटता और उत्साह देखने को मिला।

विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल करने वाले उम्मीदवारों का विवरण इस प्रकार है- अध्यक्ष पद- लक्ष्मी गंगवार जी एवं मलकीत सिंह उपाध्यक्ष पद संजीव श्रीवास्तव एवं वंदना यादव महामंत्री पद- रूपाली गुप्ता सचिव पद- मनोज कुमार एवं अनुज गुप्ता ?कोषाध्यक्ष पद- विकास पाठक जी ?नामांकन पत्र जमा करने के बाद सभी मुख्य दावेदारों और पदाधिकारियों ने चुनाव अधिकारी अवधेश सिंह के साथ एक विशेष बैठक की, जिसमें आगामी चुनावी रूपरेखा और सोसायटी के कल्याणकारी कार्यों पर चर्चा की गई।

चुनाव अधिकारी अवधेश सिंह ने बताया कि प्राप्त हुए सभी नामांकन पत्रों की नियमानुसार जांच की जाएगी और आगे की चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जाएगा। इस दौरान सोसायटी के तमाम सम्मानित सदस्य और प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी प्रत्याशियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

पतंग की डोर नहीं, मौत की डोर! बरेली पुलिस का बड़ा एक्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / DIG अजय कुमार साहनी का बड़ा आदेश - चाइनीज मांझा बेचने वालों की अब खैर नहीं बरेली । परिक्षेत्र में जानलेवा चाइनीज मांझे के खिलाफ पुलिस ने सख्त अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी के निर्देश पर बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर में चाइनीज/सिंथेटिक मांझे की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस ने साफ कर दिया है कि चोरी-छिपे मांझा बेचने वालों पर भारी कार्रवाई होगी, लाइसेंस रद्द किए जाएंगे और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से चाइनीज मांझा मंगाने और बेचने वालों पर भी पुलिस और साइबर सेल नजर रखेगी। आम जनता से अपील की गई है कि पतंग उड़ाने के लिए सिर्फ सुरक्षित सूती धागे का इस्तेमाल करें और जानलेवा चाइनीज मांझे का बहिष्कार करें। बरेली पुलिस का संदेश - शौक की पतंग उड़ाएं, किसी की जिंदगी खतरे में न डालें।

पहुज नदी में दर्दनाक हादसा, नहाने गए तीन युवकों की डूबने से मृत्यु, मा0 मुख्यमंत्री जी ने लिया संज्ञान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ जनपद जालौन के माधौगढ़ क्षेत्र स्थित ग्राम गोपालपुरा के निकट पहुज नदी में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें मध्य प्रदेश के भिंड जनपद से आए तीन युवकों की नदी में डूबने से मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लिधौरा थाना मिहौना, जनपद भिंड (मध्य प्रदेश) निवासी जगमोहन बघेल (19 वर्ष) पुत्र चरण सिंह, सुधीर बघेल (15 वर्ष) पुत्र जगदीश तथा अवनीश यादव (20 वर्ष) पुत्र गंगा सिंह यादव सहित कुल 17 युवक आगामी 19 जून को मंगलौर में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए एकत्रित हुए थे। इसी दौरान सभी युवक घूमने एवं स्नान करने के उद्देश्य से ग्राम गोपालपुरा के निकट पहुज नदी पहुंचे। नदी में स्नान करते समय तीनों युवक अनजाने में गहरे पानी की ओर चले गए और डूबने लगे। उनके साथ मौजूद अन्य युवकों एवं स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय गोताखोरों तथा एसडीआरएफ टीम को तत्काल मौके पर बुलाया गया।

व्यापक खोज एवं बचाव अभियान चलाकर तीनों युवकों को नदी से बाहर निकाला गया, किंतु तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने तत्काल हादसे का संज्ञान लिया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह मौके पर पहुंच कर पीड़ित परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। एसडीआरएफ एवं अन्य एजेंसियों के माध्यम से रेस्क्यू अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मध्य प्रदेश सरकार से समन्वय स्थापित कर मृतकों के शव उनके परिजनों को सम्मानपूर्वक सौंपने तथा सभी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्रता से पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि घटना से संबंधित सभी विधिक एवं प्रशासनिक कार्यवाहियां संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ पूर्ण की जाएं तथा शोकाकुल परिवारों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। पुलिस द्वारा मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है तथा पोस्टमार्टम के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई की मोर्चरी भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की आपराधिक घटना सामने नहीं आई है। प्रथम दृष्टया यह हादसा स्नान के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण हुआ प्रतीत होता है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जनसामान्य से अपील की है कि वर्षा ऋतु के दौरान नदी, तालाब एवं अन्य जलाशयों में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सुनसान एवं गहरे जल क्षेत्रों में स्नान करने से बचें तथा सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करें, ताकि इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

कोंच से नदीगांव जा रही बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटी, बस के चालक को अचानक झपकी आने से हुआ हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। आज गुरुवार को दोपहर के समय एक प्राइवेट बस कोंच से यात्रियों से भरी नदीगांव जा रही थी कि वह बस ग्राम कन्हरी और कनासी के बीच पहुंची थी कि बस के चालक को अचानक झपकी आने से यह बस सड़क किनारे एक खंती में जा गिरी जिसमें बस में बैठे यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला और मौके पर चीख-पुकार मच गई मौके पर बताया गया है कि यह बस तेज रफ्तार में चल रही थी। इसी दौरान चालक को झपकी आने से बस का संतुलन बिगड़ गया और बस अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर खंती में पलट गई।हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया ग्रामीणों और पुलिस की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। हादसे में करीब एक दर्जन यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नदीगांव भेजा गया है। चिकित्सकों की निगरानी में सभी घायलों का उपचार जारी है इस घटना की खबर सुनकर एसडीएम हेमंत पटेल सीओ परमेश्वर प्रसाद नदीगांव थाने के सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार सैनी सहित पुलिस बल मौके पर आ गया और घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया है इस घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में लग गई है यह बस किसकी थी यह पता नहीं चल पाया है ।

शिक्षा-रोजगार के मुद्दे पर कांग्रेस का नया अभियान, राहुल गांधी की अपील- एकजुट हों युवा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों और युवाओं की समस्याओं को उठाने के लिए छात्रों की गूंज अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा, परीक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना तथा युवाओं की आवाज को सरकार तक पहुंचाना है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छात्रों और नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए छात्रों की गूंज अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने युवाओं से इस मुहिम में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की है। राहुल गांधी का कहना है कि इस अभियान का मकसद शिक्षा, परीक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को सीधे सरकार तक पहुंचाना है।राहुल गांधी ने क्या कहा?- सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए राहुल गांधी ने लिखा कि अगर किसी छात्र ने पेपर लीक, परीक्षा में नकल या बहुत ज्यादा फीस का दर्द सहा है, तो यह अभियान उनके लिए है। युवाओं के सपनों को तोड़ा है। कई परिवारों ने अपनी पूरी जिंदगी की कमाई बच्चों की पढ़ाई में लगा दी है। ऐसे में छात्रों की गूंज उन सभी युवाओं की आवाज बनेगा।राहुल गांधी ने इसे सिर्फ एक अभियान नहीं बल्कि एक मंच बताया है। इसके जरिए सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षा और सम्मानजनक रोजगार की मांग सरकार के सामने रखी जाएगी। उन्होंने लोगों से इस मुहिम से जुड़ने, अपने सुझाव देने और याचिका पर हस्ताक्षर करने का अनुरोध किया है। उनका मानना है कि एक-एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को मजबूत करेगा। जितने ज्यादा नाम जुड़ेंगे, छात्रों की आवाज उतनी ही बुलंद होगी।क्या है इस अभियान का लक्ष्य?- कांग्रेस पार्टी इस अभियान के जरिए देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना चाहती है। इसमें पेपर लीक, कोचिंग की भारी फीस और भर्ती में होने वाली गड़बड़ियों जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। पार्टी ने इसके लिए देशव्यापी योजना बनाई है। इसके तहत पूरे देश में विरोध प्रदर्शन, जनसंपर्क कार्यक्रम और चर्चाएं आयोजित की जाएंगी। संसद में भी इन मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत राजस्थान के कोटा से छात्रों की गूंज महारैली के साथ हुई है। आने वाले समय में यह कार्यक्रम देश के अन्य हिस्सों में भी फैलेगा। इसमें एनएसयूआई (हस्ड्ढ) और यूथ कांग्रेस जैसे संगठन भी हिस्सा लेंगे। राहुल गांधी आने वाले दिनों में इलाहाबाद, पटना और दिल्ली में भी छात्र सम्मेलनों को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवस्था की कमियों पर भी चिंता जताई है। उन्होंने अपनी यात्राओं के अनुभवों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकारी शिक्षा क्षेत्र में गिरावट आई है और निजी शिक्षा बहुत महंगी हो गई है। उन्होंने मौजूदा पढ़ाई के तरीके की भी आलोचना की।राहुल गांधी ने एक खास बात यह कही कि देश के युवाओं के पास करियर के बहुत कम विकल्प बचे हैं। उन्होंने लाखों युवाओं से बात की और पाया कि ज्यादातर युवा सिर्फ पांच क्षेत्रों में जाना चाहते हैं- इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, आईएएस और सेना। उन्होंने करियर में विविधता की कमी को एक बड़ी समस्या बताया। इसी बीच, नीट-यूजी (NEET-UG) 2026 की दोबारा परीक्षा की तारीख भी सामने आई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) यह परीक्षा 21 जून को दोपहर 2-00 बजे से शाम 5-15 बजे तक आयोजित करेगी। पांच मई को हुई परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों के बाद इसे रद्द कर दिया गया था। राहुल गांधी का यह अभियान इन्हीं सब गड़बड़ियों के खिलाफ युवाओं को एकजुट करने की एक कोशिश है।

प्रदर्शनी के दूसरे दिन लोगों में दिखी योजनाओं की जानकारी सरकार की योजनाओं, नियत व नीति की सभी ने की प्रशंसा

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूँ केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों, कार्यक्रमों व संचालित योजनाओं पर आधारित डायट परिसर में चार दिवसीय प्रदर्शनी के दूसरे दिन आमजन में सरकार की योजनाओं को जानने की उत्सुकता देखी गई। सभी ने प्रदर्शनी को सराहाते हुए सरकार के कार्यों की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि बुधवार को जनपद के प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन व पर्यावरण डॉ0 अरुण कुमार सक्सेना ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी आगामी 20 जून तक आमजन के अवलोकन के लिए संचालित रहेगी।

गुरुवार को स्वयं सहायता समूहों की दीदीयों, युवा उद्यमियों, व्यापारियों एवं गणमान्य लोगो ने प्रदर्शनी के अवलोकन उपरान्त सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि वह भी स्वयं अथवा अपने परिचितों, सम्बंधियों व ग्रामवासियों आदि को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित करेंगे। कहा कि बिना भेदभाव के सभी पात्रों को सरकार योजना का लाभ दे रही है। सभी ने सरकार की योजनाओं, नियत व नीति की प्रशंसा की। प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की व राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी, लाभार्थीपरक व जनहित की विभिन्न योजनाओं को बहुत ही आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। केंद्र सरकार की योजनाओं में स्टार्टअप, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाएं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, नि:शुल्क खाद्यान्न आदि योजनाएं तथा राज्य सरकार की भी विभिन्न जनकल्याणकारी व लाभार्थीपरक योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आदि योजनाओं को बहुत ही आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी का आयोजन सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है।

सिंध नदी में अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई, 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 3 हाइड्रा मशीनें जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ बदरवास। जिले में अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंध नदी के रिजोदी घाट पर अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में लगे 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा 3 हाइड्रा मशीनों को जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन करने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बदरवास निरीक्षक नवीन यादव के नेतृत्व में संयुक्त टीम का गठन किया गया। थाना बदरवास, रन्नौद, इंदार, चौकी लुकवासा पुलिस तथा खनिज विभाग की टीम ने गुरुवार रात सिंध नदी के रिजोदी घाट पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान नदी क्षेत्र में अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करते हुए 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 3 हाइड्रा मशीनें पकड़ी गईं। सभी वाहनों और मशीनों को जब्त कर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस एवं खनिज विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई से अवैध खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन और खनिज परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में एसडीओपी कोलारस श्री संजय मिश्रा, थाना प्रभारी बदरवास निरीक्षक नवीन यादव, खनिज निरीक्षक ऋषभ दीक्षित, थाना प्रभारी इंदार उपनिरीक्षक विवेक यादव, चौकी प्रभारी लुकवासा उपनिरीक्षक बैजनाथ मिश्रा सहित पुलिस और खनिज विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

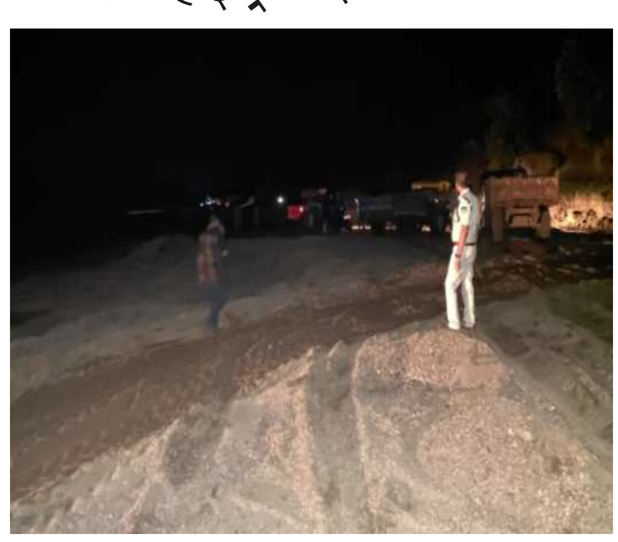

संक्षिप्त समाचार

डीएम व एसएसपी ने कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ जनपद बदायूं में जिलाधिकारी अवनीश राय व एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित संपन्न कराने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारीगण के साथ मीटिंग की गयी। तदुपरांत कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान रोड सेफ्टी व्यवस्थाओं, यातायात प्रबंधन, संवेदनशील स्थलों तथा मार्ग पर संभावित व्यवधानों का गहन परीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने हेतु सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया। इस दौरान एडीएम-ई श्री अरुण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह,क्षेत्राधिकारी नगर श्री रजनीश कुमार उपाध्याय व अन्य अधि0गण मौजूद रहे।

थाना दातागंज पुलिस ने अवैध शस्त्र सहित दो अभियुक्तगण को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार,अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी दातागंज के पर्यवेक्षण में अपराध की रोकथाम एवं वांछित/वारंटी अभियुक्तगण की गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना दातागंज पुलिस द्वारा 02 अभियुक्तगण 1. अंकित पुत्र सतीश श्रीवास्तव निवासी ग्राम कुंडरा खरसाई थाना दातागंज जनपद बदायूं 2. लालजीत पुत्र वेद्यनाथ निवासी ग्राम कंडरा खरसाई थाना दातागज जनपद बदायूं को (01 अदद तमंचा 315 वोर नाजायज मय 01 अदद कारतूस नाजायज 315 वोर व 01 अदद चाकू नाजायज) के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना दातागंज पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 213/26 धारा 3/25 (1-क्क)(ड्ड) व 4/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्तगण उपरोक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा गया

खोया हुआ मोबाइल पाकर लोगों के खिल उठे चेहरे

क्यूँ न लिखूँ सच/ बदायूं एसएसपी अंकिता शर्मा के आदेशानुसार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी दातागंज के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक दातागंज के नेतृत्व मे चलाये जा रहे CEIR PORTAL के अन्तर्गत पिछले 50 दिन में थाना दातागंज पुलिस टीम द्वारा 15 मोबाईल भिन्न भिन्न बरामद किये गये क्षेत्राधिकारी दातागंज व प्रभारी निरीक्षक दातागंज द्वारा शिकायतकर्ता 1. वेदप्रकाश नि0 कोली थाना दातागंज बदायूँ 2. विष्णु कुमार नि0 नूरपुर थाना दातागंज 3. रवेन्द्र सिंह नि0 कुंडरा ढाका थाना दातागंज 4. अमित कुमार नि0 मो0 परा वार्ड नं0 2 दातागंज बदायूँ 5. अरविन्द नि0 कनकपुर थाना दातागंज बदायूँ 6. मयंक कुमार नि0 वार्ड नं0 18 नियर पावर हाउस दातागंज 7. सूरजपाल नि0 मो0 बादामनगर वार्ड 10 कस्बा दातागंज बदायूँ 8. दीपक कुमार नि0 कढेका थाना दातागंज बदायूँ 9. रजत कुमार नि0 पलिया गूजर थाना दातागंज बदायूँ 10. रफीक अहमद नि0 मोह0 अरेला वार्ड 10 दातागंज बदायूँ 11. जगदीश कुमार नि0 कादराबाद थाना परौर शाहजहाँपुर 12. सुनील कुमार नि0 नूरपुर थाना दातागंज बदायूँ 13. राकेश कुमार नि0 सादुल्लागंज थाना दातागंज बदायूँ 14. सतीश नि0 पसिया नंगला थाना दातगंज बदायूँ 15. वीरेन्द्र नि0 बझेडा थाना दातागंज बदायूँ के मोबाईलो को उनके स्वामियों को वितरण किया गया

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com

अंकित कुमार बने भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग ऑफिसर: 12 प्रयासों के बाद पाई सफलता, पिता भी भारतीय सेना में थे

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद के 24 वर्षीय अंकित कुमार भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बन गए हैं। मोहम्मदाबाद क्षेत्र के अहिमलापुर गांव के मूल निवासी अंकित ने वर्षों के संघर्ष और लगातार प्रयासों के बाद यह सफलता हासिल की है।

अंकित कुमार की यह सफलता उनके दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने भारतीय वायुसेना में चयन के लिए लगभग 12 बार प्रयास किए। कई असफलताओं के बावजूद उन्होंने अपना लक्ष्य नहीं छोड़ा और अंतत सफलता प्राप्त की।

अंकित ने अपनी शिक्षा फतेहगढ़ के आर्मी पब्लिक स्कूल और डीएनपीजी कॉलेज से पूरी की। उनके पिता राजेश चतुर्वेदी भारतीय सेना में ऑनरेरी कैप्टन के पद से 30 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं। जबकि उनकी माता का नाम सीमा देवी है। पिता की विभिन्न पोस्टिंग के कारण अंकित को अलग-अलग शहरों में रहकर पढ़ाई करने का अवसर मिला, जिससे उनमें अनुशासन और संघर्ष करने की क्षमता विकसित हुई।

उल्लेखनीय है कि अंकित इससे पहले कोस्ट गार्ड में असिस्टेंट कमांडेंट पद के लिए अखिल भारतीय रैंक-1 हासिल कर चुके थे। हालांकि, उनका मुख्य लक्ष्य भारतीय वायुसेना में पायलट बनना था,

जिसके लिए उन्होंने लगातार प्रयास जारी रखे।

बचपन का सपना हुआ पूरा- 13 जून को हैदराबाद स्थित एयरफोर्स अकादमी में आयोजित पासिंग आउट परेड में अंकित कुमार को भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में कमीशन मिला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में उन्हें राष्ट्रपति आयोग प्रदान किया गया, जिससे उनका वर्षों पुराना सपना साकार हुआ।

अंकित ने बताया कि बचपन से ही उनका सपना रक्षा बलों में शामिल होने का था। अंतिम मेरिट सूची में अपना नाम देखकर पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। पासिंग आउट परेड के बाद जब अंकित अपने घर पहुंचे, तो परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर मिठाइयां बांटी गईं और पूरे मोहल्ले में उत्सव का माहौल था। अंकित ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को देते हुए उनका आशीर्वाद लिया।

कायमगंज में बनेगा स्थाई हेलीपैडः मऊरशीदाबाद में 2500 वर्ग मीटर भूमि चिन्हित, आपदा-चिकित्सा में मिलेगी मदद

क्यूँ न लिखूँ सच/श्याम जी कश्यप / उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत अब कायमगंज तहसील में एक स्थाई हेलीपैड का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए तहसील प्रशासन ने मऊरशीदाबाद गांव में 2500 वर्ग मीटर भूमि चिन्हित कर इसका प्रस्ताव जिलाधिकारी को मंजूरी के लिए भेजा है।

उपजिलाधिकारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि चिन्हित की गई भूमि की नापजोख का कार्य तहसील प्रशासन द्वारा पूरा कर लिया गया है। यह प्रस्तावित स्थल तहसील मुख्यालय से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। प्रशासनिक स्वीकृति मिलते ही लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

आवश्यक प्रक्रिया पूरी- प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह योजना केवल कायमगंज तक ही सीमित नहीं है। तहसील क्षेत्र के नवाबगंज में भी इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही शमशाबाद क्षेत्र में भी स्थाई हेलीपैड के लिए भूमि चयन और अन्य औपचारिक प्रक्रियाएं तेजी से जारी हैं।

चिकित्सा सहायता उपलब्ध- सरकार द्वारा तहसील स्तर पर स्थाई हेलीपैड बनाने का मुख्य उद्देश्य बाढ़ या अन्य किसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को गति देना है। साथ ही, गंभीर मरीजों को एयर एम्बुलेंस के जरिए शीघ्र उच्च स्तरीय चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना भी इसका लक्ष्य है।यह हेलीपैड वीवीआईपी नेताओं और उच्च प्रशासनिक अधिकारियों की आवाजाही के दौरान हर बार अस्थाई हेलीपैड बनाने में होने वाले अतिरिक्त खर्च को भी रोकेगा। स्थाई हेलीपैड बनने से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूती मिलेगी।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत मिशन शक्ति टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी दी गई मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन- मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में मोहर्रम त्यौहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु पीस कमेटी की बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री अक्षय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक श्री विश्वजीत श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आगामी मोहर्रम त्यौहार के दृष्टिगत पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि मोहर्रम त्यौहार आपसी भाईचारे एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक है । उन्होंने सभी धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने तथा त्यौहार को शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने की अपील की । उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए ।

पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव ने कहा कि मोहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक प्रबंध किए जाएंगे । उन्होंने सभी से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को देने का आह्वान किया । उन्होंनें विशेषकर सोशल मीडिया पर डालें गये भ्रामक फोटो और वीडियो को लाइक, शेयर व कमेन्ट न करें तथा सम्बन्धित थानों व गणमान्य व संभ्रान्तजनों को इसकी सूचना से अवगत कराया जाय । साथ ही जुलूसों एवं ताजियों को निर्धारित मार्गों से ही निकालने तथा शासन-प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की ।बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, राजस्व विभाग के समस्त अधिकारीगण, विभिन्न धर्मगुरु, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने मोहर्रम त्यौहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया ।

आगामी त्यौहारों को लेकर पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने बैठक ली

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। आज गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता ने पालिका कार्यालय में आगामी त्यौहारों को देखते हुये नगर की साफ सफाई व्यवस्था को लेकर एक जरूरी बैठक बुलाई इस बैठक में सफाई व्यवस्था से जुड़े कर्मचारी मौजूद रहे इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि निर्देश दिये है कि आगामी समय में त्यौहार आने वाले है इस लिये नगर के सभी इलाकों में साफ सफाई नियमित अच्छी ढंग से की जावे और नगर में रात के समय कही भी अंधेरा न रहे इस लिये सभी जगह पर प्रकाश की व्यवस्था की जावे उन्होंने निर्देश दिये कि अगर किसी बार्ड में सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिली तो सख्त कार्यवाही अमल में लाई जावेगी

उन्होंने कहा कि त्यौहारों पर नगर में कहीं गंदगी न दिखना चाहिए साथ ही नगर में आवारा जानवर अगर फिर रहे है एक अभियान चलाकर उन्हें गोशाला भेजा जाये

उन्होंने कहा कि नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के लिये वह प्रयास रत है नगर वासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है इस अवसर पर लिपिक जीवन लाल विजय अवस्थी शिवम ताम्रकार प्रभुदयाल कुशवाहा सफाई नायक मनोज कुमार सुनील कुमार अमित कुमार श्याम सुंदर मन प्यारे आनंद कुमार संजय कुमार सरताज रचना अनुज आशीष विनीत सहित अंकित यादव विकास पटेल दीपेंद्र अग्रवाल सहित पालिका के सफाई नायक सफाई कर्मी और ड्राइवर मौजूद रहे ।

अवैध कॉलोनियों पर अब कसेगा शिकंजा, जिला स्तरीय कॉलोनी सेल गठित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, जिले में अवैध कॉलोनियों के विकास और अनधिकृत भूखंड विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने नगरीय क्षेत्रों में सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय कॉलोनी सेल का गठन किया है। यह सेल कॉलोनाइजर लाइसेंस, कॉलोनी विकास अनुमतियों और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर निगरानी का कार्य करेगी।

कॉलोनी सेल के प्रभारी अधिकारी अपर कलेक्टर होंगे। इसके अलावा एसडीएम, संबंधित नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी, पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री, विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक, उप पंजीयक एवं तहसीलदार को सदस्य बनाया गया है।

सेल द्वारा जिले में प्रस्तावित सभी नई कॉलोनियों के लाइसेंस और विकास अनुमति संबंधी प्रस्तावों का प्रारंभिक परीक्षण किया जाएगा। साथ ही भूमि स्वामित्व, डायवर्सन, मास्टर प्लान, सड़क, पेयजल, विद्युत, जल निकासी एवं अन्य अधोसंरचनात्मक सुविधाओं की उपलब्धता की भी जांच की जाएगी। परीक्षण उपरांत प्रकरण अंतिम निर्णय के लिए कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध अनुमति और आवश्यक स्वीकृतियों के किसी भी कॉलोनी का विकास नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए जिले में विकसित हो रही कॉलोनियों का सर्वे कराया जाएगा तथा वैध एवं अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार की जाएगी। अनधिकृत कॉलोनियां पाए जाने पर संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

जिला स्तरीय कॉलोनी सेल प्रत्येक माह समीक्षा बैठक आयोजित कर शिकायतों, निरीक्षण रिपोर्टों, लंबित मामलों और प्रवर्तन कार्यवाहियों की समीक्षा करेगी। प्रशासन का मानना है कि इस व्यवस्था से आम नागरिकों को अवैध कॉलोनियों में निवेश करने से बचाया जा सकेगा तथा नगरीय विकास अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनेगा।

संक्षिप्त समाचार

परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर 03 परिवारो में सुलह कराते हुए परिवारो को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी / पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया । जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन के महासचिव डा पीड़ी निरंजन पचीपुरा कलां के पिता का निधन, अंतिम संस्कार गांव में उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के तहसील महासचिव और ग्राम पचीपुरा कलां निवासी डा पी डी निरंजन के परम पूज्य पिता उन्नत शील किसान श्री शोभाराम निरंजन का उनके आवास पर हृदय गति रुक जाने पर दुखद निधन हो गया है दिनांक 18 जून दिन गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे उनका अंतिम संस्कार उनके गांव में ही स्थित उनके खेत पर किया गया उनकी अंतिम यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी इस दुखद खबर पर इलाके में शोक की लहर है साथ ही भारतीय किसान यूनियन से जुड़े लोग भी काफी दुखी है और उनके गांव में जाकर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने के लिये उनके गांव जा रहे है

हेल्पर की ड्राइविंग ने दर्जनों यात्रियों को पहुंचाया अस्पताल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ जालौन में एक बड़ी लापरवाही ने दर्जनों यात्रियों की जान खतरे में डाल दी। कोंच से नदीगांव जा रही सवारियों से भरी प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसे में तीन महिलाओं समेत एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बस ड्राइवर की जगह हेल्पर चला रहा था और उसे अचानक नींद आने से यह हादसा हुआ। बस में करीब 35 यात्री सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही एसडीएम, सीओ और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नदीगांव में भर्ती कराया गया है। मामला नदीगांव थाना क्षेत्र के कन्हरी-कनासी गांव के पास का है।

सुपर 5000 योजना से मेधावी छात्रा को मिला सम्मान, 25 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। श्रमिक परिवारों के मेधावी बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित सुपर 5000 योजना के तहत जिले की मेधावी छात्रा राशि गुप्ता को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने गुरुवार को छात्रा को स्वीकृति पत्र प्रदान कर उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। राशि गुप्ता ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। उनकी माता श्रीमती रामा गुप्ता मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं। निर्धारित पात्रता के आधार पर छात्रा को मंडल की सुपर 5000 योजना का लाभ प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं श्रमिक परिवारों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने छात्रा की उपलब्धि की सराहना करते हुए

Does eating guava also increase hemoglobin in the body? Anemia patients should know these things.

Guava contains many times more vitamin C than citrus fruits like oranges and lemons. Vitamin C-rich foods help increase iron absorption. Nutrient-rich guava juice not only strengthens immunity but also helps increase hemoglobin by improving iron absorption. Hemoglobin deficiency can lead to constant fatigue, weakness, and dizziness. Therefore, people often look for iron-rich foods. But did you know that guava juice, which is already available in your home, can also act as a "super-booster" for improving hemoglobin levels? Nutritionists say that guava juice contains abundant amounts of vitamin C, which helps the body absorb and properly utilize iron from food. Let's understand how this entire process works. What is hemoglobin and what happens when it is deficient? Hemoglobin is a vital protein found in red blood cells. Its primary function is to transport oxygen from the lungs to the rest of the body. When the hemoglobin level in the body falls below the recommended limit, a person becomes anemic (anemia). Anemia is most common in women, adolescents, pregnant women, and young children. Guava is a nutritional powerhouse. It would be a mistake to consider guava a mere fruit; it is a storehouse of vitamin C, fiber, potassium, folate, and powerful antioxidants. Guava contains many times more vitamin C than citrus fruits like oranges and lemons. This vitamin C is essential for increasing iron absorption in the body. That's why experts always recommend consuming vitamin C along with iron-rich foods. How does guava juice help increase hemoglobin? It's important to understand that guava juice itself is not a significant source of iron. But its real magic lies in its vitamin C. When you eat green leafy vegetables, lentils, black gram, kidney beans, or other iron-rich foods, our bodies are unable to fully absorb that iron. If you drink a glass of fresh guava juice with or immediately after these foods, the vitamin C present in it helps the body absorb the iron in the food more easily. This rapidly improves hemoglobin levels. Guava has many other benefits beyond just hemoglobin: the fiber in guava promotes proper digestion and eliminates constipation. Its high vitamin C and antioxidant content protects the body from seasonal infections, colds, and coughs. Its antioxidants fight free radicals, preventing premature wrinkles and maintaining glowing skin. Rich in potassium and fiber, it regulates blood pressure and protects the heart. When drinking guava juice, keep these things in mind: Canned juices often contain high amounts of preservatives and added sugar. Therefore, always make fresh juice at home and drink it. If you have diabetes, chewing a whole guava is more beneficial than drinking juice. Guava's fiber prevents sudden spikes in blood sugar and keeps you full for longer. Drinking guava juice alone will not increase hemoglobin. Include iron-rich foods like spinach, beans, jaggery, dates, chickpeas, and dried fruits in your diet. If your hemoglobin level is very low or you suffer from severe anemia, consult a doctor for proper medical evaluation and supplementation instead of relying on home remedies.

This acidity-relieving drug can damage the kidneys and liver, experts warn.

Proton pump inhibitors are medications that reduce acid production by blocking the "proton pump" in the stomach lining. Omeprazole, pantoprazole, lansoprazole, and esomeprazole are the main medications in this class. They are prescribed to treat gastroesophageal reflux disease, stomach ulcers, recurring acidity, and stomach damage caused by certain medications. In addition to dietary restrictions, decreased physical activity has made gas and acidity increasingly common. Acidity is more common in people who eat spicy foods, have late dinners, and go to sleep immediately after eating. People often resort to buying gas pills from the nearest medical store when they experience heartburn, acidity, or indigestion. These medications provide immediate relief, but did you know that in the long run, they can cause health problems that are even considered fatal? In a recent report, we reported that some common gas pills, such as ranitidine, can be so dangerous to your health that they even pose a risk of cancer. In light of these risks, many countries, including the UK, the US, and Singapore, have already banned them. In a similar vein, a team of experts has stated that some acid reflux medications can also pose problems for your kidneys and liver. Long-term use can even lead to liver and kidney failure. Proton pump inhibitors pose a threat to your kidneys. In medical reports, a team of experts has described the group of proton pump inhibitors (PPIs) as extremely harmful to health. Studies have found that long-term use of these medications can significantly increase the risk of kidney failure. Proton pump inhibitors are sold under many brand names. These are among the most commonly prescribed medications worldwide. Approximately 10 percent of adults in the United States use these medications for problems like heartburn, acid reflux, and gastroesophageal reflux disease (GERD). Researchers at the Skaggs School of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences at the University of California, San Diego, reported that people taking PPIs had a significantly higher risk of kidney disease than those taking other acidity medications (such as histamine-2 receptor antagonists). What did the study find? Dr. Ruben Abagyan, senior author of the study and professor of pharmacy, says, "Data from the U.S. Food and Drug Administration (FDA) helps us understand potential side effects that are not typically revealed in typical clinical trials. Clinical trials often last for a limited period of time and have limited participant numbers and diversity. In the study, researchers selected only patients who were taking PPIs and no other medications." In this way, approximately 43,000 patients were included in the study. On the other hand, a group of approximately 8,000 patients was formed who were taking only histamine-2 receptor blockers and no other medications. The incidence of kidney problems in both groups was analyzed, and the results were quite surprising. Risk of serious kidney problems: Researchers found that 5.6 percent of patients taking only PPIs complained of serious kidney problems, compared to only 0.7 percent of patients taking H2 blockers. When the researchers examined the data further, they found that patients taking PPIs had a 28.4 times higher risk of chronic kidney disease, a 4.2 times higher risk of acute kidney injury, and a 35.5 times higher risk of end-stage renal disease. The study also revealed that people taking PPIs were more likely to experience electrolyte imbalances (such as sodium, potassium, and magnesium). Risk of Liver Disease - According to the World Health Organization (WHO), PPIs can be vital medications for many patients. However, researchers believe that the results of this study may encourage doctors to be more cautious, especially in patients with pre-existing kidney disease or electrolyte imbalances. A previous study published in 2017 indicated that PPIs may increase the risk of chronic liver disease in both rats and humans. Caution also issued regarding Ranitidine - In a published report, we warned about the cancer risk associated with Ranitidine. Medical reports suggest that the biggest risk with Ranitidine is that when stored, a chemical called N-nitrosodimethylamine (NDMA) begins to form. Studies have found it to be highly toxic and a potential carcinogen (cancer-causing chemical). Many countries have banned its use, but it is still used over-the-counter in India.

How special was Sunday for 'Haunted 3D'? Learn about the collections

Among the many Bollywood and South Indian films, there's one film that's earning well without much promotion these days. Find out how much 'Haunted 3D' has earned today. 'Haunted 3D' released in theaters on June 12th. It's been three days since its release. Find out how much the film collected on its third day, Sunday. Opening collection of 'Haunted 3D - Echoes of the Past' - 'Haunted 3D' was released alongside Kangana's Bharat Bhagya Vidhata, Imtiaz Ali's 'Main Wapas Aaunga', and Manoj Bajpayee's 'Governor'. Despite being a big-name film, the film had a good opening at the box office. It earned 2.50 crore rupees on the first day and 3.25 crore rupees on the second day. Box office collection of 'Haunted 3D' - The film continued to earn decent earnings on its third day, Sunday. The film has collected 2.74 crores today. With this, the total collection of the film has reached 8.49 crores. What is the story of this film? In its story, a man comes to live in a mansion built in a remote area. But here, frightening incidents start happening with him. The matter gets connected to ghosts. Star cast of the film- Actors like Mimoh Chakraborty, Chetna Pandey, Manveer Chaudhary and Shruti Prakash have been seen in the film. The film has been directed by Vikram Bhatt and Manish P. Chavan. VFX and AI have been used extensively in this horror film.

Kunal Kamra targets Praneet More, posts on the '370 Biryani' controversy; writes, "Stop hiding behind these things..."

The controversy surrounding comedian Praneet More's "370 Rupees Biryani" statement on his show continues unabated. Meanwhile, comedian Kunal Kamra has also taken a dig at Praneet's apology, taking a dig at the issue. The controversy surrounding Praneet More began when 23-year-old Himanshu Jangra revealed on his show that he had gone on a date with a girl and treated her to a 370 Rupees Chicken Biryani. He then said he should get a "refund" of his money. A statement sparked controversy: This statement sparked widespread outrage on social media. Praneet More was also criticized for laughing during the show and giving Himanshu a chance to speak. Amidst the growing controversy, Praneet released a video apologizing again and asking for a second chance to reform himself. Kunal took aim at Praneet - Reacting to Praneet's apology, Kunal Kamra wrote on X, "Comedians should stop hiding behind these things: storytelling, crowd work, hard work, bank balance, and parents." In another post, he sarcastically wrote, "Praneet More makes Harsh Gujral look like Barack Obama." What is the whole matter? - A video of Praneet More's stand-up show in Gurugram went viral on social media, in which he was seen talking to audience member Himanshu Jangra. Himanshu was talking about his date experience. In the video, Himanshu said that he spent ?370 on the girl, so he should get some "return." He said, "I have spent 370 rupees, so I will definitely recover it." In this statement, he implied that he expected physical intimacy in return for the money spent, which people strongly objected to. Later, a longer video of the show also surfaced, in which Himanshu described his experience in more detail and talked about physical intimacy. During this, Praneet kept laughing and the audience was also seen clapping, which further increased the controversy. After the controversy escalated, both Praneet More and Himanshu Jangra released separate videos and apologized.

Ram Charan and Upasana Konidela shared the first glimpse of their twins, writing, "My heart is filled with joy."

Ram Charan and his wife, Upasana Konidela, shared the first glimpse of their newborn twins with fans on Sunday. Find out what's special in the post. The couple has a son named Shivaram and a daughter named Anvira Devi. The post also featured a glimpse of their eldest daughter, Klin Kara, who was born on June 20, 2023. A special note was shared along with the photo.

Ram Charan and his wife, Upasana Konidela, posted a cute photo on Instagram, showing the hands of their three children. Along with the post, they wrote, "My heart is filled with joy," along with an infinity emoji. The special meaning of their children's names: Ram Charan had previously revealed the meaning of their children's names in an interview. He said that the name "Shivaram" is associated with Lord Shiva and Lord Rama, symbolizing strength, patience, and following the right path.

This name is also related to his father's real name, Shiva Shankar Vara Prasad. Regarding the name "Anvira Devi," he explained that "Veera" means bravery, and "An" makes it even more special and limitless. The word "Devi" signifies that strength and tenderness can coexist. For him, these names are not just names, but a dream and hope for his children. About the couple: Ram Charan and Upasana got engaged in December 2011 and married in June 2012. They were already good friends, which later blossomed into a relationship. Upasana is the granddaughter of Apollo Hospitals founder Prathap C. Reddy, while Ram Charan is the son of megastar Chiranjeevi. On the work front, Ram Charan was recently seen in the film "Peddi," directed by Buchi Babu Sana. Jhanvi Kapoor was also seen in this film.